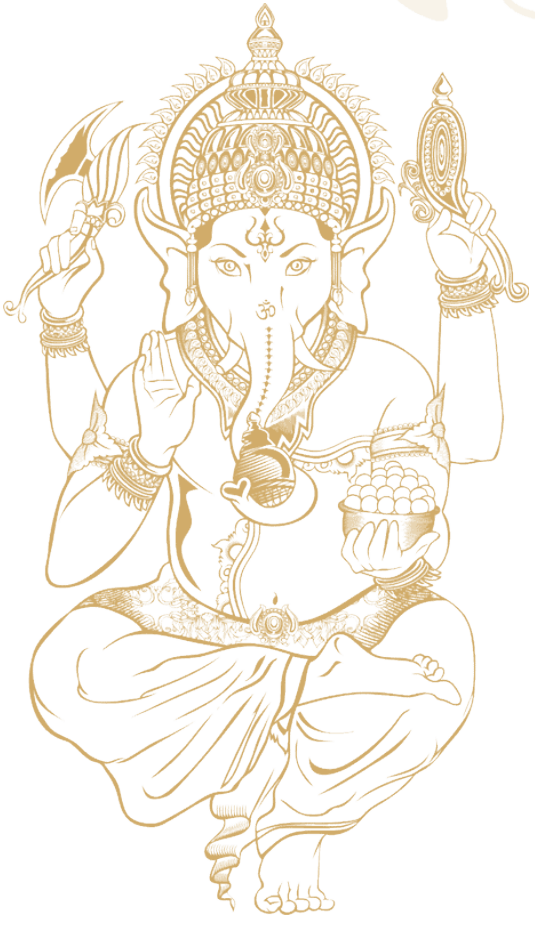

Omprakash Yadav

04 Oct 1985

02:30 PM

Janjgir

Model: web-freekundliweb

Order No: 121809708

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/10/1985**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	21:34:37 घटी
स्थान	**Janjgir**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	22:02:00 उत्तर
रेखांश	82:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:30:12 घंटे
वेलान्तर	00:11:12 घंटे
साम्पातिक काल	15:22:12 घंटे
सूर्योदय	05:52:09 घंटे
सूर्यास्त	17:44:44 घंटे
दिनमान	11:52:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:25:28 कन्या
लग्न के अंश	17:05:17 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	17:05:17	407:28:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	17:25:28	00:59:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			वृष	15:53:34	11:50:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	21:43:02	00:37:50	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	26:04:01	01:38:44	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			मक	13:28:06	00:00:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	21:19:44	01:13:43	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	01:31:20	00:05:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	15:44:41	00:01:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
केतु			तुला	15:44:41	00:01:49	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	21:03:42	00:02:05	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:19:30	00:00:43	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	10:05:00	00:02:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			तुला	29:17:30	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:17

लग्न-चलित

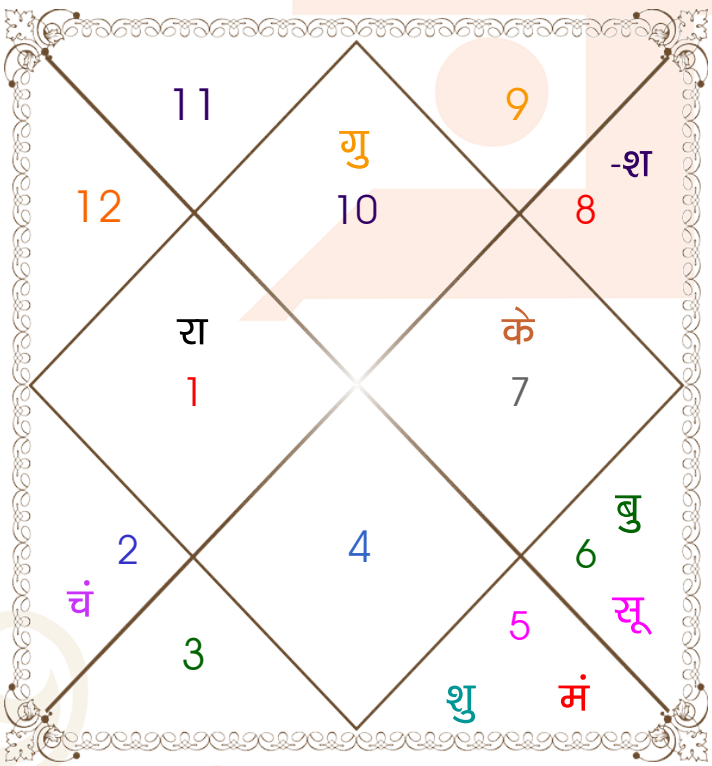

चन्द्र कुंडली

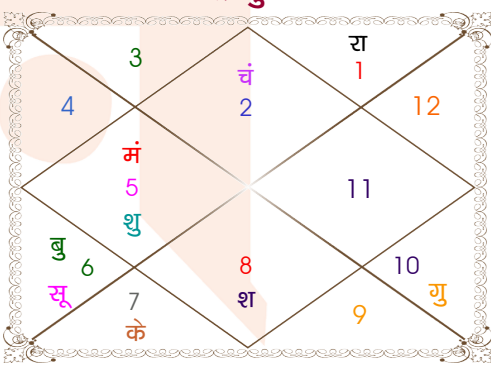

नवमांश कुंडली

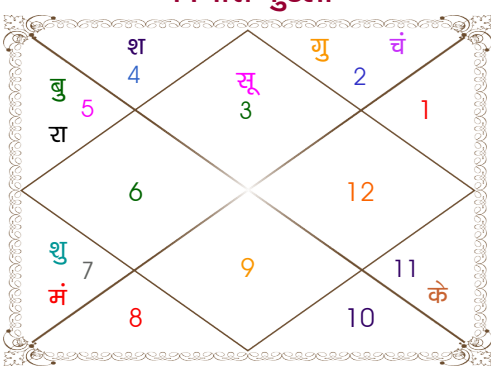

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 6 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/10/1985		04/05/1991		04/05/1998		04/05/2016		04/05/2032	
04/05/1991		04/05/1998		04/05/2016		04/05/2032		04/05/2051	
	00/00/0000	मंगल	30/09/1991	राहु	14/01/2001	गुरु	22/06/2018	शनि	07/05/2035
	00/00/0000	राहु	18/10/1992	गुरु	10/06/2003	शनि	02/01/2021	बुध	15/01/2038
	00/00/0000	गुरु	24/09/1993	शनि	16/04/2006	बुध	10/04/2023	केतु	23/02/2039
	04/10/1985	शनि	03/11/1994	बुध	02/11/2008	केतु	16/03/2024	शुक्र	25/04/2042
शनि	04/03/1987	बुध	31/10/1995	केतु	21/11/2009	शुक्र	15/11/2026	सूर्य	07/04/2043
बुध	03/08/1988	केतु	28/03/1996	शुक्र	20/11/2012	सूर्य	03/09/2027	चंद्र	05/11/2044
केतु	04/03/1989	शुक्र	28/05/1997	सूर्य	15/10/2013	चंद्र	02/01/2029	मंगल	15/12/2045
शुक्र	03/11/1990	सूर्य	03/10/1997	चंद्र	16/04/2015	मंगल	09/12/2029	राहु	21/10/2048
सूर्य	04/05/1991	चंद्र	04/05/1998	मंगल	04/05/2016	राहु	04/05/2032	गुरु	04/05/2051

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/05/2051		04/05/2068		04/05/2075		04/05/2095		05/05/2101	
04/05/2068		04/05/2075		04/05/2095		05/05/2101		00/00/0000	
बुध	30/09/2053	केतु	30/09/2068	शुक्र	03/09/2078	सूर्य	22/08/2095	चंद्र	05/03/2102
केतु	27/09/2054	शुक्र	30/11/2069	सूर्य	03/09/2079	चंद्र	21/02/2096	मंगल	04/10/2102
शुक्र	28/07/2057	सूर्य	07/04/2070	चंद्र	04/05/2081	मंगल	27/06/2096	राहु	04/04/2104
सूर्य	04/06/2058	चंद्र	06/11/2070	मंगल	04/07/2082	राहु	22/05/2097	गुरु	04/08/2105
चंद्र	03/11/2059	मंगल	04/04/2071	राहु	04/07/2085	गुरु	10/03/2098	शनि	05/10/2105
मंगल	30/10/2060	राहु	21/04/2072	गुरु	04/03/2088	शनि	20/02/2099		00/00/0000
राहु	20/05/2063	गुरु	28/03/2073	शनि	04/05/2091	बुध	28/12/2099		00/00/0000
गुरु	24/08/2065	शनि	07/05/2074	बुध	04/03/2094	केतु	05/05/2100		00/00/0000
शनि	04/05/2068	बुध	04/05/2075	केतु	04/05/2095	शुक्र	05/05/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।